क्षतिग्रस्त हो जाने के कारण परीक्षा तापविद्युत केन्द्र का यूनिट-एक 27 सितम्बर 1987 से रिवरन बन्द है। क्षतिग्रस्त मीटर की मरम्मत की जा रही है। टाण्डा ताप विद्युत केन्द्र से रोटर इस यूनिट में लगाया जा रहा है और यूनिट के अगस्त 1987 के अंत तक पुनः चालू हो जाने की संभावना है। एक्साइटर रोटर के क्षतिग्रस्त हो जाने के कारण कुछ समय के लिए यूनिट-2 रिवरन बन्द थी परन्तु इसे पुनः चालू कर दिया गया है और इस समय यह प्रचलन में है।

क्षतिग्रस्त होने के कारणों की जांच करने के लिए उत्तर प्रदेश राज्य बिजली बोर्ड ने एक जांच समिति का गठन किया है। जांच समिति के निष्कर्ष उपलब्ध हो जाने के बाद निवारक उपाय किए जाएंगे।

विद्युत की कमी के कारण सरकारी तथा गैर-सरकारी क्षेत्रों को उत्पादन में हुआ घाटा

931. श्री जगदम्बी प्रसाद यादव: क्या **उद्योग** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) 1985-86 और 1986-87 के दौरान विद्युत की कमी के कारण सरकारी क्षेत्र और गैर-सरकारी क्षेत्र को उत्पादन में कितनी-कितनी राशि का घाटा हुआ और श्रमिकों की हड़ताल आदि के कारण कितना घाटा हुआ ; और

(ख) सरकार इस संबंध में कौन-कौन से प्रभावी कदम उठा रही है ?

उद्योग मंत्री (श्री जे. वेंगल राव): (क) देश में निजी क्षेत्र के बहुसंख्यक एककों के अलावा सरकारी क्षेत्र के लगभग 225 उद्यम हैं तथा ब्यौरा एकत्र करने में कितना प्रयास करना होगा प्राप्तव्य परिणाम उसके अनुरूप नहीं प्रतीत होंगे।

(ख) सरकार बिजली की कमी तथा कामगारों द्वारा की जाने वाली हड़ताल के कारण उत्पादन में हुए घाटे को कम करने के लिये विभिन्न उपाय कर रही है। इनमें शामिल हैं—जहां कहीं आवश्यक जान पड़ने पर निजी उपयोगों के बिजली संयंत्रों की व्यवस्था करना बेहतर प्रबन्ध द्वारा संयंत्र के कार्यचालन में सुधार लाना अनुरक्षण एवं कार्मिक प्रशिक्षण। जहां तक हड़तालों का सम्बन्ध है, सरकार औद्योगिक सम्बन्धों में सुधार लाने तथा प्रबन्ध में कामगारों की भागीदारी आदि के प्रति निरन्तर वचनबद्ध है।

Industrial Development in Bihar

932. SHRI S. S. AHLUWALIA: Will the Minister of INDUSTRY be pleased to state:

(a) the rate of industrial development in Bihar during the past three years;

(b) whether any industry has been set up in the industrially backward districts of the state;

(c) if so, what are the district-wise details; and

(d) what are the details regarding industrial development in the State during the current Five Year Plan?

THE MINISTER OF STATE IN THE DEPARTMENT OF INDUSTRIAL DEVELOPMENT IN THE MINISTRY OF INDUSTRY (SHRI M. ARUNACHALAM): (a) C.S.O. does not compile State-wise index of industrial production. However, based on the Bihar State Directorate of Statistics & Evaluation, Department of Planning, the indices of industrial production during 1981-82, 1982-83 and 1983-84 were as under:—

(Base 1970=100)

	Index of Ind. Prodn.	Percentage Change over previous year
1981-82 . .	156·24	+4·6
1982-83 . .	161·10	+3·1
1983-84 . .	162·03	+0·6

(b) and (c) Industrial approvals in various forms have been granted for setting up industries in the State of Bihar. The table below indicates the number of industrial approvals in the various backward districts of Bihar:—

Category of approvals	1984	1985	1986	1987
(1) Letter of Intent . .	10	7	3	3 (Jan-May)
(2) Industrial Licences . . .	6	3	3	Nil (Jan-May)
(3) De-licenced Industry Registration	..	4	26	14 (Jan-June)
(4) DGTD Registrations . .	9	15	3	2 (Jan-June)

(d) Details of on-going projects during the current Plan are not available. However, during the Seventh Plan a total outlay of Rs. 160 crs. has been envisaged for industries in Bihar. The detailed allocation is as under:—

Rs. Lakhs

Industry Sector	Approved outlay			
	1985-90	1985-86	1986-87	1987-88
Large—Medium Industries	9000	1600	4271	4315
Village & Small Industries	7000	1200	2020	2012
TOTAL:	16000	2800	6291	6327

Central investment in industries in Bihar

933. SHRI S. S. AHLUWALIA: Will the Minister of INDUSTRY be pleased to state:

(a) whether Central Government make investment in industries in various States/ Union Territories;

(b) if so, what was the total Central investment for the purpose in Bihar during the last and the current Five Year Plan; and

(c) which new industries are coming up in Bihar during the current Five Year Plan?

THE MINISTER OF INDUSTRY (SHRI J. VENGAL RAO): (a) Yes, Sir.

(b) During the 6th Plan period i.e. 1980—85 the total investment of Central Public Enterprises in Bihar in terms of gross block increased from Rs. 3152 crores as on 31-3-1980 to Rs. 5834 crores as on 31-3-1985. The total investment as on 31-3-1986 i.e. as at the end of the first year of the 7th Plan was Rs. 6309 crores.

(c) The details of the 7th Five Year Plan outlay for Central industrial and Mineral Projects in Bihar, including new